Vol 5 Issue 3 Dec 2015

ISSN No : 2249-894X

Monthly Multidisciplinary Research Journal

Review Of Research Journal

Chief Editors

Ashok Yakkaldevi
A R Burla College, India

Flávio de São Pedro Filho
Federal University of Rondonia, Brazil

Ecaterina Patrascu
Spiru Haret University, Bucharest

Kamani Perera
Regional Centre For Strategic Studies, Sri Lanka

Welcome to Review Of Research

RNI MAHMUL/2011/38595 **ISSN No.2249-894X**

Review Of Research Journal is a multidisciplinary research journal, published monthly in English, Hindi & Marathi Language. All research papers submitted to the journal will be double - blind peer reviewed referred by members of the editorial Board readers will include investigator in universities, research institutes government and industry with research interest in the general subjects.

Advisory Board

Kamani Perera
Regional Centre For Strategic Studies, Sri Lanka

Ecaterina Patrascu
Spiru Haret University, Bucharest

Fabricio Moraes de AlmeidaFederal
University of Rondonia, Brazil

Anna Maria Constantinovici
AL. I. Cuza University, Romania

Romona Mihaila
Spiru Haret University, Romania

Delia Serbescu
Spiru Haret University, Bucharest, Romania

Xiaohua Yang
University of San Francisco, San Francisco

Karina Xavier
Massachusetts Institute of Technology (MIT), USA

May Hongmei Gao
Kennesaw State University, USA

Marc Fetscherin
Rollins College, USA

Liu Chen
Beijing Foreign Studies University, China

Mabel Miao
Center for China and Globalization, China

Ruth Wolf
University Walla, Israel

Jie Hao
University of Sydney, Australia

Pei-Shan Kao Andrea
University of Essex, United Kingdom

Loredana Bosca
Spiru Haret University, Romania

Ilie Pintea
Spiru Haret University, Romania

Mahdi Moharrampour
Islamic Azad University buinzahra Branch, Qazvin, Iran

Titus Pop
PhD, Partium Christian University, Oradea,
Romania

J. K. VIJAYAKUMAR
King Abdullah University of Science & Technology,Saudi Arabia.

George - Calin SERITAN
Postdoctoral Researcher
Faculty of Philosophy and Socio-Political Sciences
Al. I. Cuza University, Iasi

REZA KAFIPOUR
Shiraz University of Medical Sciences
Shiraz, Iran

Rajendra Shendge
Director, B.C.U.D. Solapur University, Solapur

Nimita Khanna
Director, Isara Institute of Management, New Delhi

Salve R. N.
Department of Sociology, Shivaji University, Kolhapur

P. Malyadri
Government Degree College, Tandur, A.P.

S. D. Sindkhedkar
PSGVP Mandal's Arts, Science and Commerce College, Shahada [M.S.]

Anurag Misra
DBS College, Kanpur

C. D. Balaji
Panimalar Engineering College, Chennai

Bhavana vivek patole
PhD, Elphinstone college mumbai-32

Awadhesh Kumar Shirotriya
Secretary, Play India Play (Trust),Meerut (U.P.)

Govind P. Shinde
Bharati Vidyapeeth School of Distance Education Center, Navi Mumbai

Sonal Singh
Vikram University, Ujjain

Jayashree Patil-Dake
MBA Department of Badruka College Commerce and Arts Post Graduate Centre (BCCAPGC),Kachiguda, Hyderabad

Maj. Dr. S. Bakhtiar Choudhary
Director,Hyderabad AP India.

AR. SARAVANAKUMARALAGAPPA UNIVERSITY, KARAIKUDI,TN

V.MAHALAKSHMI
Dean, Panimalar Engineering College

S.KANNAN
Ph.D , Annamalai University

Kanwar Dinesh Singh
Dept.English, Government Postgraduate College , solan

More.....

Address:-Ashok Yakkaldevi 258/34, Raviwar Peth, Solapur - 413 005 Maharashtra, India
Cell : 9595 359 435, Ph No: 02172372010 Email: ayisrj@yahoo.in Website: www.ror.isrj.org

ISSN: 2249-894X Impact Factor : 3.1402(UIF) Volume - 5 | Issue - 3 | Dec - 2015

Review Of Research

विद्यालयी शिक्षकों की आपदा प्रबंधन जागरूकता का शैक्षिक संकाय तथा लिंग के आधार पर एक तुलनात्मक अध्ययन

गोपाल सिंह नयाल[1] , मुन्नी जोशी[2] , शान्ति नयाल[3]

[1]आचार्य, शिक्षा संकाय, एस.एस. , जे.परिसर ,अल्मोड़ा. उत्तराखण्ड, .

[2]विभागाध्यक्ष , बी.एड. (स्ववित्तपोषित) रा.स्ना.महा.वि.,रूद्रपुर उत्तराखण्ड, .

[3]विभागाध्यक्ष , शिक्षाशास्त्र विभाग, रा.स्ना.महा. ऋषिकेश, देहरादून .उत्तराखण्ड.

सारांश

प्रस्तुत शोध का मुख्य उद्देश्य शैक्षिक संकाय एवं लिग के आधार पर विद्यालयी शिक्षकों की आपदा प्रबंधन जागरूकता का तुलनात्मक अध्ययन करना है। अध्ययन से प्राप्त परिणामों के आधार पर यह पाया गया कि महिलायें पुरूषों की अपेक्षा परिवार एवं समाज के प्रति अधिक संवेदनशील थी । विज्ञान वर्ग की महिलाएं विज्ञान वर्ग के पुरूषों की तुलना में विविध प्रकार के कार्यों के प्रति जागरूकता रखकर व्यवस्था को बनाये रखने का प्रयास करती हैं, साथ ही वैज्ञानिक दृष्टिकोण रखने के कारण स्वयं को पर्यावरणीय गतिविधियों, विज्ञान एवं तकनीकी के उपयोग एवं दुरूपयोग के प्रति जागरूकता रखती हैं। जबकि पुरूषों में संवेदनशीलता कम होती है, साथ ही वे परिवार के आर्थिक समाधान हेतु घर से बाहर ही रहते हैं, और साथ ही समस्याओं को गहनता से नहीं लेते हैं। इस कारण दोनों के मध्य सार्थक अन्तर पाया गया। उपरोक्त परिणामों के आधार पर यह विदित होता है कि विज्ञान वर्ग की महिलाएं स्वयं को सामाजिक पर्यावरण के अनुकूल संतुलन बनाने में अधिक सक्षम होती है। जबकि कला वर्ग की महिलाएं सामाजिक पर्यावरण के अनुरूप संतुलन बनाये रखने में कम सक्षम पायी गयी इसके परिणामस्वरूप दोनों में सार्थक अन्तर पाया गया। इसका मुख्य कारण यह हो सकता है कि विज्ञान वर्ग की महिलाएं भविष्य के प्रति वैज्ञानिक दृष्टिकोण रखते हुए अधिक जागरूक रहती हैं।

प्रस्तावना –

विजया, (२०१४) ने अपने शोध में पाया कि उच्च शिक्षा में प्राध्यापकों की शैक्षिक गुणवता हेतु आपदा प्रबंधन जागरूकता ज्ञान की अत्यधिक आवश्यकता है। विद्यालय तथा कॉलेज पाठ्यक्रमों में आपदा प्रबंधन सम्बंधी प्रक्रियाओं को किया जाना चाहिए। आपदा प्रबंधन का विस्तृत पाठ्यक्रम स्नातक तथा स्नातकोत्तर स्तर लागू किया जाये आपदाग्रस्त लोगों की सभी प्रकार से सहायता करने के लिए समाज के नागरिकों को तैयार रहने हेतु जागरूक किया जाना चाहिए। मुन्नी जोशी (२०१०) ने पाया कि विज्ञान संकाय की शिक्षिकायें कला संकाय की शिक्षिकाओं की तुलना में आपदा प्रबंधन में उच्च थी तथा महिला शिक्षिकायें पुरूष शिक्षिकाओं की तुलना में आपदा प्रबंधन जागरूकता में श्रेष्ठ कुरीता नकामूरा और कोडामा (२००५) ने अपने अध्ययन में पाया कि श्रीलका में २००४ के सुनामी के समय ६० प्रतिशत से भी अधिक जनसंख्या सुनामी ज्ञान से अनभिज्ञ थी। सुनामी ज्ञान का मुख्य स्रोत परिवार तथा। पड़ौसी थे। आपदा न्यूनीकरण के लिए विद्यालयों में विद्यार्थीयों तथा शिक्षकों की जागरूकता हेतु आवश्यक है। शिवाकिन (२००६) ने अपने अध्ययन में पाया कि आपदा प्रबंधन के लिए विद्यालयों में आपदा प्रबंधन शिक्षा की नितान्त आवश्यकता है आपदा प्रबंधन जागरूकता से समुदाय सुरक्षा सम्भव है। शाहनवाज (१६६०) ने पाया कि ६५ प्रतिशत अध्यापकों तथा ६४ प्रतिशत विद्यार्थियों में आपदा प्रबन्धन के प्रति धनात्मक अभिवृत्ति थी। भारत ही नहीं पूरां विश्व आपदाओं से जूझ रहा है। कहीं प्राकृतिक आपदायें अपना तांडव दिखा रहीं है तो कहीं मानवीय आपदायें विनाश की लीला कर रही हैं। मानव व प्रकृति दोनों ही इन समस्याओं से जूझ रहे हैं, एक ओर जहां वित्तीय संकट से बदहाल दुनिया भर के लोग आर्थिक मंदी से बड़ा मुद्दा जलवायु परिवर्तन को मान रहे हैं वहीं कई देश ऐसे हैं जो धरती को आग के गोले में तब्दील होने से बचाने के लिए पूरी इच्छाशक्ति से काम नहीं कर रहे हैं। मानव जो कि एक जिज्ञासु प्राणी है, वह

सदैव प्रकृति एवं अपने वातावरण को जिज्ञासा की दृष्टि से देखता है। उसे समझने का प्रयास करता है व आने वाली समस्याओं के समाधान के लिए हमेशा प्रयास करता है व करता रहेगा। वह अज्ञात तथ्यों का पता लगाने की दिशा में निरन्तर आगे बढ़ता जा रहा है। पहले उसने प्राकृतिक घटनाओं और फिर सामाजिक घटनाओं को समझने की कोशिश की है। वह प्रारम्भ से ही ब्रह्माण्ड में उपस्थित समस्त वस्तुओं और कार्यकलापों के रहस्य को समझने हेतु विचार करता आ रहा है। वर्तमान युग गतिशीलता का युग है। गतिशीलता में वृद्धि के साथ ही समाज के मूल्यों और मान्यताओं मे भी परिवर्तन हुआ है। परिवर्तन के इस क्रम में मानव सभ्यता एवं तकनीकी का निरन्तर विकास होता जा रहा है। मनुष्य के इस निरन्तर विकास की प्रक्रिया में शिक्षा एवं दर्शन का महत्वपूर्ण स्थान है।

जब भी मनुष्य अपने वातावरण से सामंजस्य स्थापित करने का प्रयास करता है, तभी से शिक्षा प्रारम्भ हो जाती है। इस लगातार सीखने की प्रक्रिया में उसने पर्यावरण एवं प्रकृति को भी अपने अनुकूल बनाने का प्रयास किया है, जिसमें कि वह काफी हद तक सफल हो रहा है। लेकिन प्रकृति को विज्ञान एवं तकनीकी के बल पर अपने अनुकूल बनाने के साथ ही वह विनाश की ओर भी अग्रसर हो रहा है। अनेक प्रकार की आपदायें एवं संकट मानव जीवन को प्रभावित कर रहे हैं। जिससे मनुष्य अपने आपको किसी न किसी प्रकार की आपदा या संकट से घिरा हुआ पा रहा है। उत्तराखण्ड में १६ जून २०१३ को आयी प्रलयकारी आपदा ने चारधाम आपदा यात्रा में गये हजारों यात्रियों की जीवन लीला समाप्त कर दी थी जिसको सुनकर आज भी हमारे रौंगटे खड़े हो जाते है।

शोध कार्य के उद्देश्य

१. महिला विज्ञान वर्ग एवं महिला कला वर्ग के विषयों में स्नातकोत्तर उपाधि के आधार पर विघालयी शिक्षकों की आपदा प्रबंधन जागरूकता की तुलना करना।
२. पुरूष विज्ञान वर्ग एवं पुरूष कला वर्ग के विषयों में स्नातकोत्तर उपाधि के आधार पर विद्यालयी शिक्षकों की आपदा प्रबंधन जागरूकता की तुलना करना।
३. लिंग के आधार पर विद्यालयी शिक्षकों की आपदा प्रबन्धन जागरूकता की तुलना करना।
४. महिला विज्ञान वर्ग एवं पुरूष विज्ञान वर्ग के विषयों में स्नातकोत्तर उपाधि के आधार पर विद्यालयी शिक्षकों की आपदा प्रबंधन जागरूकता की तुलना करना।
५. महिला कला वर्ग एवं पुरूष कला वर्ग वर्ग के विषयों में स्नातकोत्तर उपाधि के आधार पर विद्यालयी शिक्षकों की आपदा प्रबंधन जागरूकता की तुलना करना।

शोध परिकल्पना

१.महिला विज्ञान वर्ग एवं महिला कला वर्ग के विषयों में स्नातकोत्तर उपाधि के आधार पर विघालयी शिक्षकों की आपदा प्रबंधन जागरूकता में कोई सार्थक अंतर नही होता है।
२.पुरूष विज्ञान वर्ग एवं पुरूष कला वर्ग के विषयों में स्नातकोत्तर उपाधि के आधार पर विद्यालयी शिक्षकों की आपदा प्रबंधन जागरूकता में कोई सार्थक अंतर नही होता है।
३.लिंग के आधार पर विद्यालयी शिक्षकों की आपदा प्रबन्धन जागरूकता की तुलना में कोई सार्थक अन्तर नहीं होता है।
४.महिला विज्ञान वर्ग एवं पुरूष विज्ञान वर्ग के विषयों में स्नातकोत्तर उपाधि के आधार पर विद्यालयी शिक्षकों की आपदा प्रबंधन जागरूकता में कोई सार्थक अंतर नही होता है।
५.महिला कला वर्ग एवं पुरूष कला वर्ग के विषयों में स्नातकोत्तर उपाधि के आधार पर विद्यालयी शिक्षकों की आपदा प्रबंधन जागरूकता में कोई सार्थक अंतर नही होता है।

न्यादर्श चयन

प्रस्तुत शोध कार्य हेतु न्यादर्शन के लिए शोधकर्ती द्वारा स्तरीकृत यादृच्छिक विधि का चयन किया गया, प्रस्तुत शोध अध्ययन हेतु न्यादर्श में उत्तराखण्ड के कुमायूं एवं गढ़वाल मण्डल में से एक-एक जिले का चयन लाटरी विधि से किया गया था। तत्पश्चात् (५००) महिला एवं पुरूष प्रवक्ताओं, जो कि राजकीय इण्टरमीडिएट कालेजों में कार्यरत थे, का चयन किया गया। जिनमें ६ न्यादर्श को समुचित रूप से सही जानकारी उपलब्ध न कराये जाने के कारण निरस्त किया गया। इस प्रकार अन्तिम रूप में कुल ४९४ न्यादर्श को शोध समस्या के अध्ययन हेतु लिया गया। न्यादर्श प्रारूप निम्नवत है

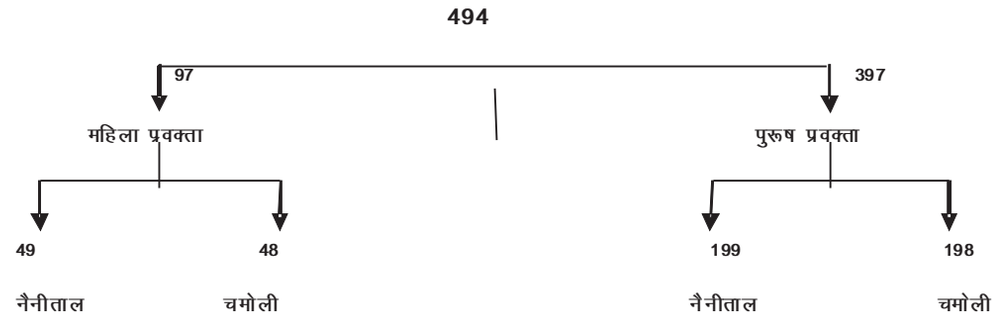

अनुसंधान के उपकरण

प्रस्तुत समस्या का मापन करने के लिए डॉ. जी.एस. नयाल (आचार्य, शिक्षा संकाय) एस. एस. जीना परिसर, अल्मोड़ा तथा डॉ. मुन्नी जोशी द्वारा निर्मित एवं मानकीकृत आपदा प्रबन्धन जागरुकता मापनी का उपयोग किया गया है।

प्रदत्तों का संकलन, अंकन एवं साख्यिकीय प्रारूप

प्रदत्तों का संकलन करने के पश्चात मापनी में अंकित कथनों का अंकन किया गया। सकारात्मक कथनों में पूर्णतः सहमत के लिए ५ अंक, सहमत के लिए ४, अनिश्चित के लिए ३, असहमत के लिए २ तथा पूर्णतः असहमत के लिए १ अंक प्रदान किये गये, तथा नकारात्मक कथनों में पूर्णतः सहमत के लिए १, सहमत के लिए २, अनिश्चित के लिए ३, असहमत के लिए ४, पूर्णतः असहमत के लिए ५ अंक प्रदान किया गये और अंको का योग किया गया। तत्पश्चात कुल न्यादर्श में से शैक्षिक संकाय तथा लिंग के आधार पर अंको को सारणीबद्ध किया गया। वर्णनात्मक सांख्यिकी व परिमाणात्मक सांख्यिकी का प्रयोग कर मध्यमान, मानक विचलन, मानक त्रुटि तथा सार्थकता स्तर की गणना की गयी है। परिमाणात्मक साख्यिकी के आधार पर ''टी'' परीक्षण व सहसम्बन्ध गुणांक की गणना की गयी है व शोध परिणामों की व्याख्या की गयी।

शोध परिणाम

शैक्षिक संकाय के आधार पर महिला शिक्षिकाओं की आपदा प्रबंधन जागरूकता का तुलनात्मक अध्ययन

तालिका 01

शैक्षिक संकाय के आधार पर	न्यादर्श	मध्यमान	मानक विचलन	मूल्य	सार्थकता स्तर
महिला (विज्ञान वर्ग)	36	473.76	31.6	4.57	सार्थक
महिला(कला वर्ग)	61	468.83	22.42		

तलिका ०१ का अवलोकन करने से यह विदित होता है कि आपदा प्रबन्धन जागरूकता में शैक्षिक संकाय के आधार पर महिला (विज्ञान वर्ग) एवं महिला (कला वर्ग) अध्यापिकाओं में सांख्यिकीय दृष्टि से अति उच्च सार्थक अन्तर पाया गया ('t'=4.57)। अध्ययनोपरान्त यह पाया गया कि विज्ञान वर्ग की शिक्षिकाओं के प्राप्त माध्यों का प्राप्तांक अधिक था । जिसके परिणामस्वरूप विज्ञान वर्ग की शिक्षिकायें आपदा प्रबन्धन जागरूकता में अति श्रेष्ठ पायी गई। दोनों समूहों में अन्तर सांख्यिकीय दृष्टि से ०.०१ स्तर पर सार्थक पाया गया ।

शैक्षिक संकाय के आधार पर पुरूष शिक्षकों की आपदा प्रबंधन जागरूकता का तुलनात्मक अध्ययन

तालिका 02

शैक्षिक संकाय के आधार पर	न्यादर्श	मध्यमान	मानक विचलन	मूल्य	सार्थकता स्तर
पुरूष (विज्ञान वर्ग)	157	460.62	37.3	.95	असार्थक
पुरूष (कला वर्ग)	240	465.38	34.45		

तालिका ०२ का अवलोकन करने से यह विदित होता है कि आपदा प्रबन्धन जागरूकता में पुरूष शिक्षकों के शैक्षिक संकाय के के आधार पर लगभग कोई सार्थक अन्तर नहीं पाया गया ('t'=0.95)। दोनों समूहों की आपदा प्रबन्धन जागरूकता समान हैं

।

लिंग के आधार पर विद्यालयी शिक्षकों की आपदा प्रबंधन जागरूकता का तुलनात्मक अध्ययन

तालिका 3					
लिंग के आधार पर	न्यादर्श	मध्यमान	मानक विचलन	मूल्य	सार्थकता स्तर
महिला वर्ग	97	471.39	26.25	2.69	सार्थक .01
पुरूष वर्ग	397	462.76	35.80		

तालिका ३ का अवलोकन करने से यह विदित होता है कि आपदा प्रबन्धन जागरूकता में लिंग के आधार पर में सांख्यिकीय दृष्टि से सार्यक अन्तर पाया गया ('t'=2.69)। महिला शिक्षकायें पुरूषों की तुलना में आपदा पबधन जागरूकता में उच्च पायी गयी। इसका कारण यह हो सकता हैं कि महिलायें पुरूषों की अपेक्षा परिवार एवं समाज के प्रति अधिक संवेदनशील होती हैं। परिवार जो समाज की एक ईकाई है वह समाज की हर प्रकार की समस्याओं से प्रभावित होते हैं। उत्तराखण्ड राज्य जो कि आपदाओं के प्रति अत्यधिक संवेदनशील होने के कारण यहां की महिलाएं स्वाभाविक रूप से आपदाओं के प्रति पुरूषों की तुलना में अधिक जागरूक पायी गयी

लिंग के आधार पर विज्ञान संकाय के शिक्षकों की आपदा प्रबंधन जागरूकता तुलनात्मर्क अध्ययन करना

तालिका 4					
लिंग के आधार पर	न्यादर्श	मध्यमान	मानक विचलन	मूल्य	सार्थकता स्तर
महिला (विज्ञान वर्ग)	36	473.76	31.6	2.15	सार्थक .05
पुरूष (विज्ञान वर्ग)	157	460.61	37.18		

तालिका ०४ का अवलोकन करने से यह विदित होता है कि आपदा प्रबन्धन जागरूकता में लिंग के आधार पर पुरूष (विज्ञान वर्ग) एवं महिला (विज्ञान वर्ग) के शिक्षकों के सार्थकता स्तर में सांख्यिकीय दृष्टि से अन्तर पाया गया ('t'=2.15)। यह अन्तर सार्थकता के ०.०५ स्तर पर सार्थक था । इसका मुख्य कारण यह है कि महिलाएं समाज एवं परिवार के प्रति अधिक संवेदनशीलता रखती हैं। घर एवं घर के बाहर सभी विज्ञान वर्ग की शिक्षिकायें पुरूष वर्ग के शिक्षकों की तुलना में अधिक जागरूक हैं।

लिंग के आधार पर कला संकाय के शिक्षकों की आपदा प्रबंधन जागरूकता तुलनात्मर्क अध्ययन करना

तालिका 5					
लिंग के आधार पर	न्यादर्श	मध्यमान	मानक विचलन	मूल्य	सार्थकता स्तर
महिला (कला वर्ग)	61	468.83	22.42	4.74	सार्थक .05
पुरूष (कला वर्ग)	240	465.38	34.45		

तालिका ५ का अवलोकन करने से यह विदित होता है कि आपदा प्रबन्धन जागरूकता में लिंग के आधार पर कला वर्ग के महिला एवं पुरूष शिक्षकों में सांख्यिकीय दृष्टि से सार्थक अन्तर पाया गया ;'t'=4.74 । आपदा प्रबन्धन जागरूकता में कला वर्ग की शिक्षिकायें कला वर्ग के शिक्षकों की तुलना में अधिक जागरूक थी। संक्षिप्त में प्रस्तुत शोध पत्र के उपलब्ध परिणामों के अनुसार विज्ञान संकाय की महिला शिक्षक आपदा प्रबंधन जागरूकता में कला संकाय की महिला शिक्षकों की तुलना में उच्च जबकि विज्ञान व कला संकाय के पुरूष आपदा प्रबंधन जागरूकता में लगभग समान थे। आपदा प्रबंधन जागरूकता में महिला शिक्षिकायें पुरूष शिक्षकों की तुलना में श्रेष्ठ थी। इसी प्रकार विज्ञान व कला संकाय की महिला शिक्षिकायें विज्ञान व कला संकाय के पुरूष शिक्षकों से आपदा प्रबंधन जागरूकता में उच्च व श्रेष्ठ पायी गयी।

निष्कर्ष

अध्ययन से प्राप्त परिणामों के आधार पर यह पाया गया कि महिलायें पुरूषों की अपेक्षा परिवार एवं समाज के प्रति अधिक संवेदनशील थी । विज्ञान वर्ग की महिलाएं विज्ञान वर्ग के पुरूषों की तुलना में विविध प्रकार के कार्यों के प्रति जागरूकता रखकर व्यवस्था को बनाये रखने का प्रयास करती हैं, साथ ही वैज्ञानिक दृष्टिकोण रखने के कारण स्वयं को पर्यावरणीय गतिविधियों, विज्ञान एवं तकनीकी के उपयोग एवं दुरूपयोग के प्रति जागरूकता रखती हैं। जबकि पुरूषों में संवेदनशीलता कम होती है, साथ

ही वे परिवार के आर्थिक समाधान हेतु घर से बाहर ही रहते हैं, और साथ ही समस्याओं को गहनता से नहीं लेते हैं। इस कारण दोनों के मध्य सार्थक अन्तर पाया गया। उपरोक्त परिणामों के आधार पर यह विदित होता है कि विज्ञान वर्ग की महिलाएं स्वयं को सामाजिक पर्यावरण के अनुकूल संतुलन बनाने में अधिक सक्षम होती है। जबकि कला वर्ग की महिलाएं सामाजिक पर्यावरण के अनुरूप संतुलन बनाये रखने में कम सक्षम पायी गयी इसके परिणामस्वरूप दोनों में सार्थक अन्तर पाया गया। इसका मुख्य कारण यह हो सकता है कि विज्ञान वर्ग की महिलाएं भविष्य के प्रति वैज्ञानिक दृष्टिकोण रखते हुए अधिक जागरूक रहती हैं।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

१. ओली, हेमलता (२००८-०९)'चंपावत जनपद की प्रौढ़ जनसंख्या का पर्यावरणीय आपदा ज्ञान एव पर्यावरणीय आपदा जागरूकता का सामाजिक-शैक्षिक कारकों के संदर्भ में एक अध्ययन'। ;लधु शोध प्रंबध, कुमाऊँ विश्वविद्यालय नैनीताल

२. कार्टर, निक (१९९२) आपदा प्रबन्धन, अनुवादित २००६, पियूष रौतेला, आपदा न्यूनीकरण एवं प्रबन्धन केन्द्र उत्तरांचल, देहरादून।

३. गैरिट, हेनरी ई. (१९६६)'शिक्षा एवं मनोविज्ञान मे सांख्यिकीय' दिसम्बर, १९६६, छठा संस्करण का अनुवाद''।

४. पचौरी, गिरीश (२००६)'उदीयमान भारतीय समाज में शिक्षक',इन्टरनेशनल पब्लिशंग हाउस, मेरठ।

५. मुकर्जी, रवीन्द्रनाथ (२००९)'सामाजिक शोध व सांख्यिकीय', अथवा (सामाजिक अनुसंधान की विधियां)विवेक प्रशासन, ७-यू. ए. जवाहर नगर, दिल्ली-७।

६. यंग, पी.वी. (१९६०)'वैज्ञानिक, सामाजिक सर्वेक्षण एवं अनुसंधान' एशिया पब्लिशिंग हाऊस, बोम्बे, पृष्ठ सं. ४४''

७. राणा, राजकुमार (२००७) 'उत्तराखण्ड आपदा प्रबन्धन' कक्षा ९, द्वितीय संस्करण, निदेशक''विद्यालयी शिक्षा, उत्तराखण्ड द्वारा प्रकाशित।

८. रौतेला, पियूष (२००६) संकलन एवं लेखन 'आपदा सुरक्षित उत्तराखण्ड'।

९. Vijaya , R .research paper on awareness of disaster management among teachers of higher education published in international journal of social science and humanities research-ISSN 2348-3156 vol.2, issue 2, pp: (92-96), month: april 2014-june 2014

१०. Natural Disasters in India- Retrieved from http//en.wikipedia.org/wiki/Natural-disasters-in-India,on 10.03.2013

११. Chen Bengin(1996)'Possible impacts of Global Warming on Natural Disasters In Journal of Natural Disasters 5 (2), pp. 95-101.

१२. Christine Szwed (20 07 'Remodelling policy and practice: the challenge for staff working with children with special educational needs, Educational Review Volume 59, Issue 2, 2007, Pages 147 - 160

१३. JAMBA, Nov. (2009)Journal of Disaster risk studies, Vol, 2

१४. Akiko and Kodama Miki' Kurita,Tetsushi,Nakamura,The disaster management system of SriLanka'Asian disaster reduction centre Kobe, Japan and Sisira, R.N.Colombage,Kobe University, Kobe, Japan.

Publish Research Article
International Level Multidisciplinary Research Journal
For All Subjects

Dear Sir/Mam,

We invite unpublished Research Paper,Summary of Research Project,Theses,Books and Books Review for publication,you will be pleased to know that our journals are

Associated and Indexed,India

- ✶ Directory Of Research Journal Indexing
- ✶ International Scientific Journal Consortium Scientific
- ✶ OPEN J-GATE

Associated and Indexed,USA

- DOAJ
- EBSCO
- Crossref DOI
- Index Copernicus
- Publication Index
- Academic Journal Database
- Contemporary Research Index
- Academic Paper Databse
- Digital Journals Database
- Current Index to Scholarly Journals
- Elite Scientific Journal Archive
- Directory Of Academic Resources
- Scholar Journal Index
- Recent Science Index
- Scientific Resources Database

Review Of Research Journal
258/34 Raviwar Peth Solapur-413005,Maharashtra
Contact-9595359435
E-Mail-ayisrj@yahoo.in/ayisrj2011@gmail.com
Website : www.ror.isrj.org